हिन्दुस्तान
www.livehindustan.com

अपना गोरखपुर

गोरखपुर
सोमवार
30 जनवरी 2023
03

आयुर्वेद, यूनानी और होम्योपैथी विभाग से शुरू होगी ओपीडी, कुलपति, डीएम और एसएसपी ने लिया तैयारियों का जायजा

आयुष विवि की ओपीडी एक से, सीएम करेंगे उद्घाटन

अच्छी खबर

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। गोरखपुर समेत पूर्वांचल और सीमावर्ती बिहार के लोगों के लिए अच्छी खबर है। महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय में एक फरवरी से ओपीडी शुरू हो जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इसका उद्घाटन करेंगे।

दो दिन बाद यानी एक फरवरी को आयुष विश्वविद्यालय में ओपीडी के मुख्यमंत्री द्वारा उद्घाटन कार्यक्रम को देखते हुए कुलपति डॉ. एके सिंह, डीएम कृष्णा करुणेश, एसएसपी गौरव ग्रोवर ने रविवार को तैयारियों का जायजा लिया। अधिकारियों ने निर्देश दिया कि 31 जनवरी तक सभी काम पूरे कर लिए जाएं। कार्यक्रम के दिन आने-जाने वालों को कोई दिक्कत न हो, इसके लिए पार्किंग की उचित व्यवस्था का भी निर्देश दिया।

भटहट के पिपरी में आयुष विश्वविद्यालय बन रहा है। निर्माण कार्य का निरीक्षण मुख्यमंत्री योगी पहले ही कर चुके हैं। उन्होंने काम करा रही संस्था को निर्देश दिया गया था कि जल्द से जल्द निर्माण कार्य पूरा करें, ताकि ओपीडी शुरू हो सके। लेकिन इसके बाद भी संस्था काम में तेजी नहीं दिखा पाई थी। इसीलिए नए साल में होने वाले उद्घाटन समारोह की तिथि को आगे बढ़ा दिया गया था। कुलपति डॉ. एके सिंह ने बताया कि संस्था ने ओपीडी चलाने के लिए भवन का निर्माण कर सौंप दी है। सीएम से ओपीडी के उद्घाटन के लिए समय मांगा गया था। मुख्यमंत्री कार्यालय से एक फरवरी को उद्घाटन का समय मिल गया है।

इन विभागों की चलेगी ओपीडी : कुलपति ने बताया कि आयुष विश्वविद्यालय में शुरुआत में आयुर्वेद, यूनानी और होम्योपैथी की ओपीडी चलेगी। आगे चलकर ओपीडी का विस्तार किया जाएगा। दूसरे चरण में ये भी और नेचुरोपैथी की ओपीडी भी चलाई जाएगी। विश्वविद्यालय में डॉक्टरों की नियुक्ति के लिए भी शासन को प्रस्ताव भेजा गया था, जिसकी अनुमति मिल गई है।

सितंबर तक निर्माण कार्य पूरा करने का दिया भरोसा : जिलाधिकारी ने परिसर में इंटरनेट कनेक्टिविटी के सम्बंध में आयुष विश्वविद्यालय निर्माण कम्पनी के प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर से जानकारी ली। एसएसपी ने कहा कि सीएम के कार्यक्रम के दिन निर्माण कार्य बंद रहेगा। सभा स्थल पर एल मॉडल में आयुष समेत पांच स्टाल लगाए जाएंगे। शासन से आयुष विश्वविद्यालय के निर्माण कार्य सितम्बर 2023 तक अनुबंध है। डीएम ने प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर मनोज गुप्ता से इस बाबत पूछा तो उन्होंने निर्धारित समय से कार्य पूर्ण कराने का भरोसा जताया। इस अवसर पर कुलसचिव आरबी सिंह, सीडीओ संजय कुमार मीणा, एक्सईएन अनिल कुमार आदि मौजूद रहे।

पहली फरवरी को मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के मद्देनजर रविवार को आयुष विश्वविद्यालय का निरीक्षण करते अधिकारी।

सीएम के पहुंचते ही स्वस्तिवाचन

कुलपति डॉ. एके सिंह ने बताया कि आयुष विश्वविद्यालय में आयुष ओपीडी के शुभारम्भ के लिए एक फरवरी को सीएम योगी आदित्यनाथ पहुंचेंगे। हेलीपैड आयुष विश्वविद्यालय परिसर में ही बनाया जाएगा। सीएम के हेलीकॉप्टर से उतरते ही कार्यक्रम स्थल पर स्वस्तिवाचन शुरू हो जाएगा जो सीएम के सभा स्थल पर पहुंचने पर पूरा होगा।

70 बसों से कार्यक्रम स्थल तक पहुंचेंगे लोग

सीएम के कार्यक्रम में तीन हजार लोगों को पहुंचने का लक्ष्य है। कार्यक्रम स्थल तक लोग कैसे पहुंचेंगे, इस सम्बन्ध में जिलाधिकारी ने डीपीआरओ हिमांशु शेखर ठाकुर से बातचीत की। बताया जा रहा है कि लोगों को कार्यक्रम स्थल तक पहुंचाने के लिए 70 बसें लगाई जाएंगी। सभा स्थल पर तीन हजार लोगों को बैठने के लिए कुर्सियां लगाए जाने की व्यवस्था की जाएगी।

52 एकड़ भूमि पर भटहट क्षेत्र के पिपरी में बन रहा है आयुष विश्वविद्यालय

94 महाविद्यालय प्रदेश के संबद्ध होंगे महायोगी आयुष विश्वविद्यालय से

राष्ट्रपति कोविंद ने किया था विवि का शिलान्यास

भटहट। पिपरी में महायोगी गुरु गोरक्षनाथ राज्य आयुष विश्वविद्यालय का शिलान्यास राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने 28 अगस्त 2021 को किया था। शिलान्यास कार्यक्रम में राष्ट्रपति के साथ ही राज्यपाल आनंदीबेन पटेल एवं सीएम योगी पहुंचे थे। आयुष विश्वविद्यालय के निर्माण में 299.87 करोड़ की धनराशि व्यय होगी। आयुष विश्वविद्यालय का निर्माण 52 एकड़ भूमि में कराया जाना प्रस्तावित है। बाउंड्रीवाल का कार्य अभी चल रहा है।

प्रदेश के 85 आयुष कॉलेज हो चुके हैं संबद्ध

आयुष विश्वविद्यालय के कुलसचिव आरबी सिंह ने बताया कि अब तक विश्वविद्यालय से 85 कॉलेज सबद्ध हो चुके हैं। इसमें 69 निजी और 16 सरकारी क्षेत्र के मेडिकल कॉलेज शामिल हैं। सर्वाधिक 63 कॉलेज आयुर्वेद के हैं। आयुर्वेद के 5 सरकारी और 58 निजी मेडिकल कॉलेज अब तक सबद्ध हो चुके हैं। होम्योपैथिक के 9 सरकारी और दो निजी क्षेत्र के कॉलेज सबद्ध हो चुके हैं। यूनानी विधा के भी 11 कॉलेज सबद्ध हुए हैं।

36 माह में बनकर तैयार होगा आयुष विश्वविद्यालय

भटहट। 36 माह यानी 31 मार्च 2024 तक यह आयुष विश्वविद्यालय तैयार किये जाने का अनुबंध है। यह प्रदेश का पहला आयुष विश्वविद्यालय है जो काफी भव्य तरीके से बन रहा है। इसको तैयार करने के लिए सभी शेड्यूल तैयार कराया लिए गए हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 94 महाविद्यालयों का संचालन होगा। आयुर्वेद, होमियोपैथी, यूनानी के साथ ही योग संस्थान भी जुड़ेगा।